दुनिया रचने वाले को भगवान कहते हैं,
और संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं।

हो जाते है जिसके अपने पराये,
हनुमान उसको कंठ लगाये ।
जब रूठ जाये संसार सारा,

बजरंगबली तब देते सहारा ।
अपने भक्तो का बजरंगी मान करते है,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ॥

दुनिया में काम कोई ऐसा नहीं है,
हनुमान के जो बस में नहीं है।
जो चीज मांगो, पल में मिलेगी,

झोली ये खाली खुशियों से भरेगी ।
सच्चे मन से जो भी इनका ध्यान करते हैं,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ॥

कट जाये संकट इनकी शरण में,
बैठ के देखो बजरंग के चरण में।
'लख्खा' की बातों को झूठ मत मानो,

फिर ना फंसोगे जीवन मरण में ।
इनके सीने में हरदम सिया राम रहते है,
संकट हरने वाले को हनुमान कहते हैं ॥

और देवता चित्त ना धरही,
हनुमंत से सर्व सुख करही ।

संकट कटे मिटे सब पीरा,
जो सुमिरै हनुमत बल बीरा ।

दुनिया रचने वाले को भगवान कहते हैं।।